1998-99, ten million shares held by the Government in Videsh Sanchar Nigam Limited were sold as GDRs and an amount of about Rs. 785 crores has been realised.

Investment of Provident Fund in Equities of Private Companies

77. SHRI JANARDHANA POOJARY: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government have any proposal under consideration to invest part of provident fund of employees in equities of private companies; if so, the details thereof; and

(b) whether trade unions have been consulted in this regard; if so, what is their opinion in this regard?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI YASHWANT SINHA): (a) and (b) The pattern of investment to be followed by the non-Government provident funds has a provision enabling the Trusts, subject to their assessment of risk-return prospects, to invest upto 10% of the incremental accretions in private sector bonds/securities, which have an investment grade rating from at least two credit rating agencies. It is at the sole discretion of the Board of Trustees and there is no compulsion whatsoever.

एस्सार समूह पर बकाया ऋण एवं अग्रिम राशि

78. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) "एस्सार" समूह पर आज तक की स्थिति के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र के विभिन्न वित्तीय संस्थानों के बकाया ऋणों एवं अग्रिम राशियों का ब्यौरा क्या है;

(ख) इस राशि पर कितने प्रतिशत ब्याज वसूल किया जा रहा है;

(ग) "एस्सार" समूह द्वारा अन्य देशों के साथ किये जा रहे कारोबार का अद्यतन ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार द्वारा समय-समय पर इस कारोबार की समीक्षा की जा रही है?

वित्त मंत्रालय बैंकिंग, राजस्व तथा बीमा में राज्य मंत्री (श्री कादम्बूर एम॰ आर॰ जनार्दनन): (क) और (ख) सार्वजनिक क्षेत्र की वित्तीय संस्थाओं द्वारा एस्सार ग्रुप को दिए गये ऋणों एवं अग्रिम राशि की बकाया राशि निम्नलिखित है:-

(करोड़ रुपये)

संस्थाएं	राशि
आई डी बी आई	164.73 (दिनांक 1.2.1999 की स्थिति के अनुसार)
आई एफसी आई	1169.58 (दिनांक 10.2.1999 की स्थिति के अनुसार)
आई सी आई सी आई	836.26 (दिनांक 31.3.1998 की स्थिति के अनुसार)
आई आई बी आई	7.00 (दिनांक 31.12.1998 की स्थिति के अनुसार)

वित्तीय संस्थाओं द्वारा रुपया ऋणों पर ब्याज 16 प्रतिशत और 20 प्रतिशत (ब्याज दर को छोड़कर) के बीच प्रभावित की जाती है और विदेशी मुद्रा ऋण पर यह -1.5 प्रतिशत लाइबौर तथा +3.7 प्रतिशत लाइबौर होती है।

(ख) और (घ) जानकारी एकत्र की जा रही है और यथा उपलब्ध जानकारी सभा पटल पर रख दी जाएगी।

वित्तीय घाटे का मुकाबला करने के लिए राजसहायता में कटौती

79. **श्री राज मोहिन्दर सिंह:**
श्री कपिल सिब्बल:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि: